भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1610
09 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय- बिहार में पीएमएफबीवाई के तहत पंजीकृत किसान और निपटान किए गए दावे

1610. श्रीमती लवली आनंदः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान बिहार में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत पंजीकृत किसानों की संख्या कितनी है;

(ख) शिवहर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, जो बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से अक्सर प्रभावित होता है, से पंजीकृत किसानों की संख्या कितनी है;

(ग) शिवहर के किसानों द्वारा फसल के नुकसान के किये गए दावों में से कितने दावों का निपटान कर दिया गया है और इस अवधि के दौरान कितनी राशि का भुगतान किया गया है;

(घ) क्या सरकार फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए ड्रोन जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है ताकि दावों का शीघ्र निपटान किया जा सके; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग) : देश में खरीफ 2016 सीज़न से शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) राज्यों और किसानों दोनों के लिए स्वैच्छिक है। बिहार सरकार ने शुरुआत में इस योजना को दो वर्षों, अर्थात वर्ष 2016-17 और 2017-18 के लिए कार्यान्वित किया था और उसके बाद से इसे कार्यान्वित नहीं कर रही है। तथापि, वे अपनी स्वयं की योजना, "बिहार राज्य फसल सहायता योजना", का कार्यान्वयन कर रहे हैं, जो एक गैर-बीमा, राहत सहायता योजना है।

(घ) एवं (ङ) : भारत सरकार ने 2023-24 से फसल के नुकसान और क्षति के नुकसान आकलन और पारदर्शिता के लिए निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों को कार्यान्वित किया हैं, जिसमें देश में PMFBY और PMFBY कार्यान्वित करने वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं:

i. **यस-टेक (तकनीक पर आधारित उपज अनुमान प्रणाली)** को क्रमिक रूप से रिमोट-सेंसिंग आधारित उपज अनुमान की ओर बढ़ने के लिए लागू किया गया है, जिससे उपज का आकलन करने के साथ-साथ निष्पक्ष और सटीक फसल उपज अनुमान लगाने में मदद मिलेगी। यह पहल खरीफ **2023** से धान और गेहूं की फसलों के लिए शुरू की गई है**,** जिसमें उपज अनुमान में **30%** वेटेज अनिवार्य रूप से यस-टेक से प्राप्त उपज को दिया जाएगा। सोयाबीन की फसल को खरीफ **2024** सीज़न से जोड़ा गया है।

ii. **विंड्स (मौसम सूचना नेटवर्क और डेटा सिस्टम)** जो ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर अति-स्थानीय मौसम डेटा एकत्र करने के लिए मौजूदा नेटवर्क से पाँच गुना बड़ा स्वचालित मौसम केंद्रों (AWS) और स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का नेटवर्क स्थापित करता है। इसे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के समन्वय से अंतर-संचालन और डेटा साझाकरण के साथ एक राष्ट्रीय डेटाबेस में डाला जाएगा। विंड्स न केवल यस-टेक के लिए बल्कि प्रभावी सूखा और आपदा प्रबंधन, सटीक मौसम पूर्वानुमान और बेहतर पैरामीट्रिक बीमा उत्पादों की पेशकश के लिए भी डेटा प्रदान करता है।

****